

लोकसभा-शपथ

18वीं लोकसभा का पहला सत्र आज नवनिर्वाचित सांसदों के सदन के सदस्य के रूप में शपथ लेने के साथ शुरू हुआ। लोकसभा के नेता व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन के सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले प्रथम सदस्य रहे। प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने नरेंद्र मोदी को शपथ दिलाई। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव तक सदन की कार्यवाही चलाने में भर्तृहरि महताब की सहायता के लिए नियुक्त अध्यक्ष को पैनल की शपथ दिलाई गई। बाद में केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान, नितिन गडकरी, मनोहर लाल, पीयूष गोयल, जीतनराम मांझी, डॉ वीरेंद्र कुमार, किरेन रिजिजू, चिराग पासवान और अन्य ने लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की।

पीएम- सुधार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि एनडीए सरकार के लिए सुधार एक सौ 40 करोड़ भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाने का एक साधन है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि वस्तु व सेवा कर-जीएसटी लागू होने के बाद घरेलू उपयोग का सामान काफी सस्ता हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे गरीबों और आम आदमी को काफी बचत हुई है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए सुधारों की इस यात्रा को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

वित्त आयोग

केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच वित्तीय संसाधनों के वितरण की सिफारिश के लिए बनाए गए 16वें वित्त आयोग का एक दल प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर है। आयोग की टीम ने आज अपने दौरे के दूसरे दिन शिमला में राज्य सरकार के साथ एक अहम बैठक की, जिसमें मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी मौजूद रहे। राज्य सरकार ने प्रदेश की वित्तीय स्थिति आयोग से साझा की और लगातार बढ़ रहे राजस्व घाटे को देखते हुए सरकार ने वित्त आयोग के समक्ष प्रदेश के हितों की पैरवी की। बैठक के बाद आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनघड़िया ने बताया कि हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियां अन्य राज्यों से भिन्न है और आपदाएं यहां समस्याओं को और अधिक बढ़ा देती हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल सरकार ने अपना पक्ष रख दिया है और विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर राज्यों की हिस्सेदारी तय की जाएगी। बैठक के बाद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार ने वित्त आयोग के समक्ष राज्य की वित्तीय स्थिति रख दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को कर्ज चुकाने के लिए और कर्ज लेना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक स्थिति अन्य राज्यों से अलग है। ऐसे में हिमाचल का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

महालेखा परीक्षक

भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक गिरीश चंद्र मुर्मू ने आज शिमला में चैडविक हाउस नेविगेशन ऑडिट हेरिटेज संग्रहालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चैडविक हाउस ने इतिहास बनते देखा है और भविष्य में इसे सार्वजनिक सेवा के प्रति हमारे अटूट समर्पण के प्रमाण के रूप में देखा जाना चाहिए। गिरीश चंद्र मुर्मू ने ज्ञान के भंडार और लेखा परीक्षकों की भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में संग्रहालय के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चैडविक हाउस में स्थित संग्रहालय को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया गया है जो सीएजी संस्था के विकास, उपलब्धियों व श्रेष्ठता के मानक बिंदुओं को दर्शाता है। गौरतलब है कि चैडविक हाउस शिमला में एक महत्वपूर्ण इमारत है जिसका समृद्ध और व्यापक इतिहास है। कार्यक्रम के दौरान सीएजी के लेखा परीक्षा सलाहकार, बोर्ड के सदस्य और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

अग्निहोत्री

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा है कि मेले व त्यौहार हमारी लोक मान्यताओं, परंपराओं व संस्कृति को जीवंत बनाए रखने और इनके संवर्धन व संरक्षण में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कल सोलन के प्रसिद्ध शूलिनी मेले की तीसरी व अंतिम सांस्कृतिक संध्या में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। अग्निहोत्री ने कहा कि हिमाचल की समृद्ध लोक संस्कृति व देव परंपरा देश-विदेश में विख्यात है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सांस्कृतिक संध्याओं के माध्यम से प्रदेश की लोक संस्कृति व लोक कलाकारों को प्रोत्साहन मिलता है और बाहरी राज्यों से आने वाले कलाकार संस्कृति के आदान प्रदान में सहायक बनते हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री धनीराम शांडिल भी मौजूद रहे।

रणधीर शर्मा

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता व विधायक रणधीर शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश की जनता को लगातार गुमराह करने का प्रयास कर रही है। हमीरपुर में आज एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मौका परस्त राजनीति कर रहे हैं और राज्य सरकार का बीते डेढ़ वर्ष का कार्यकाल निराशाजनक रहा है। रणधीर शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा गई है और अपराधियों को पुलिस व कानून का कोई डर नहीं रह गया है।
